गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व असंदिग्ध है। 09 अगस्त, 1942 को गांधी जी ने देशवासियों के समक्ष 'करो या मरो' का नारा दिया था, तथा साथ ही उन्होंने अंग्रेजों से भारत छोड़ने की माँग भी की। वैश्विक संदर्भों में यह भयानक उथल-पुथल का दौर भी था जब समूची दुनिया द्वितीय विश्वयुद्ध की आग में झुलस रही थी और धुरी राष्ट्रों की जीत की शक्ल में फासीवाद का खतरा समूची मानवता पर मंडरा रहा था। ऐसे में गांधीजी द्वारा प्रस्तावित यह आंदोलन कई तरह की आशंकाओं और सुविधापूर्ण परिस्थितियों को भी समाहित किये हुए था। लेकिन तमाम दुविधाओं और आशंकाओं को दर किनार करते हुए जिस तरह भारत की जनता ने इसमें स्वतःस्फूर्त तरीके से हिस्सेदारी की वह भारतीय आजादी के आंदोलन की एक मिसाल बन गई।

यह उल्लेखनीय है बंबई में इस आंदोलन की शुरुआत करने गाँधीजी वर्धा से ही गये थे इसलिये इस प्रांत (मध्यप्रांत) में इस आंदोलन का व्यापक प्रभाव पड़ा। लेकिन इतिहास में अभी तक क्षेत्रीय अध्ययनों की कमी से विभिन्न हिस्सों में हुए इस व्यापक आंदोलन की सही और मुक्कमल तस्वीर उभर कर नहीं आ पाई है। इसी क्रम में 'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्यप्रांत का योगदान विषय पर यह एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है।

पंजीकरण

शिक्षकों के लिये- 500 /- (पाँच सौ मात्र)
विद्यार्थियों /शोधार्थियों के लिये -300 /- (तीन सौ मात्र)

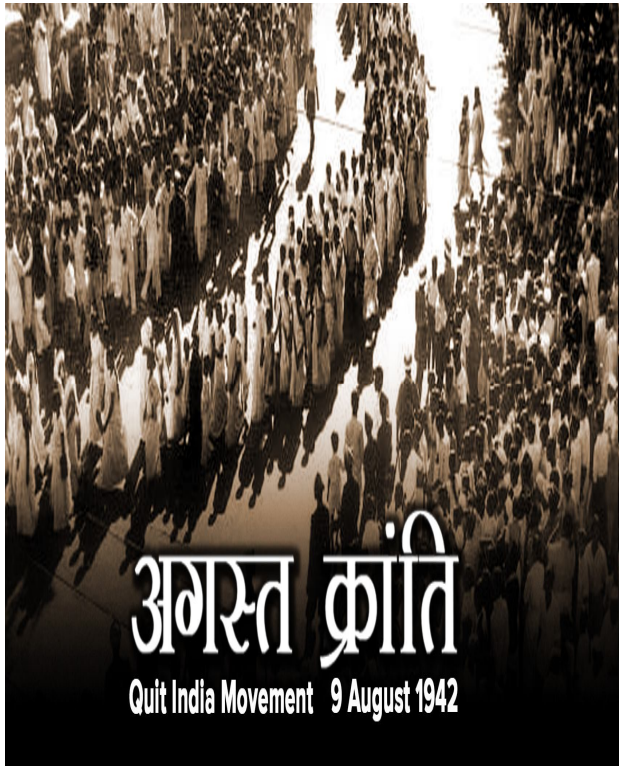

'भारत छोड़ो आंदोलन में मध्यभारत का योगदान'

09 अगस्त 2017

राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्थान: गालिब सभागार
म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

संरक्षक

प्रो. गिरीश्वर मिश्र (कुलपति)

सह-संरक्षक

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

(प्रति-कुलपति)

आयोजन समिति

प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (अध्यक्ष)
डॉ. मनोज कुमार राय
डॉ. डी. एन. प्रसाद
डॉ. चित्रा माली

आयोजन सचिव

डॉ. राकेश मिश्र

कार्यक्रम विवरण

09 अगस्त, 2017 (बुधवार)

गालिब सभागार, (साहित्य विद्यापीठ)

उद्घाटन सत्र : (प्रातः 10.30 बजे)

अध्यक्षता : प्रो. गिरीश्वर मिश्र (कुलपति)
म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

विशेष उपस्थिति : प्रो. एल. कारुण्याकरा, संकायाध्यक्ष
(संस्कृति विद्यापीठ)

आमंत्रित वक्ता : प्रो. आर. सी. मेहरा (विभागाध्यक्ष,
राजनीति शास्त्र विभाग, शा. महिला
महाविद्यालय, इटारसी (म.प्र.)
प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी (प्रोफेसर,
जनसंचार विभाग
म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा)
श्री अरविंद मालपे
(अध्यक्ष, हुतात्मा स्मारक समिति,
आष्टी)
प्रा. वीरेन्द्र सिंह बैस (विभागाध्यक्ष,
इतिहास विभाग, यशवंत कॉलेज,
वर्धा)

प्रथम तकनीकी सत्र (12.00 से 1.30 बजे)

अध्यक्षता : प्रो. मनोज कुमार
(संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक
विज्ञान विद्यापीठ)

सह-अध्यक्षता : प्रा. वीरेन्द्र सिंह बैस
(विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग,
यशवंत कॉलेज, वर्धा)

भोजन अवकाश (1.30 से 2.00 बजे)

द्वितीय तकनीकी सत्र (2.00 से 3.30 बजे)

अध्यक्षता : प्रो. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी (विभागाध्यक्ष,
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग,
म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा)

सह-अध्यक्षता : प्रो.आर. सी. मेहरा
(विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान
विभाग रा. महिला महाविद्यालय,
इटारसी (म.प्र.)

(चाय 3.30 से 3.45 बजे)

समापन सत्र

(4.00 बजे)

अध्यक्षता : कुलपति महोदय

विशेष आमंत्रित वक्ता : श्री अरविंद मालपे
(अध्यक्ष, हुतात्मा स्मारक
समिति, आष्टी)

1942 के आष्टी के शहीदों पर बनाई गई फिल्म का प्रदर्शन

प्रमाण-पत्र वितरण (मा. कुलपति महोदय द्वारा)

धन्यवाद ज्ञापन

आमंत्रण

भारत छोड़ो आंदोलन में मध्यभारत का योगदान

राष्ट्रीय संगोष्ठी

09 अगस्त 2017

आयोजक

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

कार्यक्रम स्थल

गालिब सभागार (साहित्य विद्यापीठ)
विश्वविद्यालय परिसर

ज्ञान शांति मैत्री

(संस्कृति विद्यापीठ)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स वर्धा-442001 (महाराष्ट्र) फोन :07152-230313
फैक्स : 07152-230903 www:hindivishwa.org
E-mail peacestudies@gmail.com